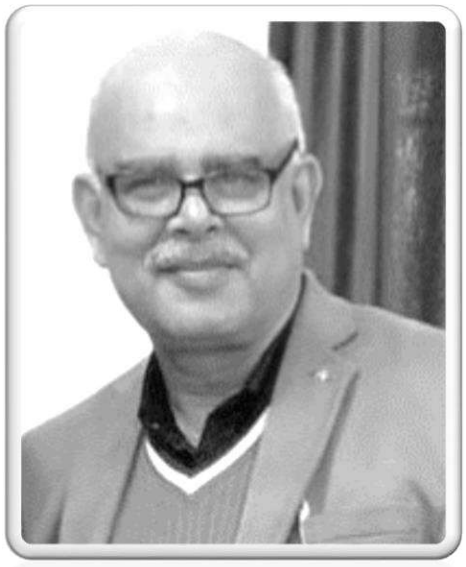

# शुभकामना

सीतामढ़ी अपने सांस्कृतिक वैभव और साहित्य-सर्जना के लिए विख्यात है। यह पराशक्ति सीता की जन्मभूमि है। ज्ञान के प्रसार में इस क्षेत्र की ऐतिहासिक भूमिका रही है। यहाँ से अनेक पत्रिकाएँ प्रकाशित हुई हैं, जिन्होंने अपने विषय-वैविध्य से अधिकांश पाठकों के साथ संवाद किया है। इसी दिशा में ज्ञानविविधा एक सार्थक प्रयास है। शोध,आलोचना और रचना को एक साथ प्रस्तुत करने में इस पत्रिका की ऐतिहासिक भूमिका होगी। एक ओर यह हिन्दी शोध के उन्नयन में अपना अंशदान करेगी, तो दूसरी ओर रचनाकारों को संवाद का सार्थक मंच भी देगी। मैं पत्रिका के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता हूँ।

**डॉ. सतीश कुमार राय**
प्राध्यापक एवं संकायाध्यक्ष-मानविकी
बी.आर.ए.बिहार विश्वविद्यालय,
मुजफ्फरपुर, बिहार।